(ब्रजभाषा काव्य संग्रह)

ब्रजरस बरसै

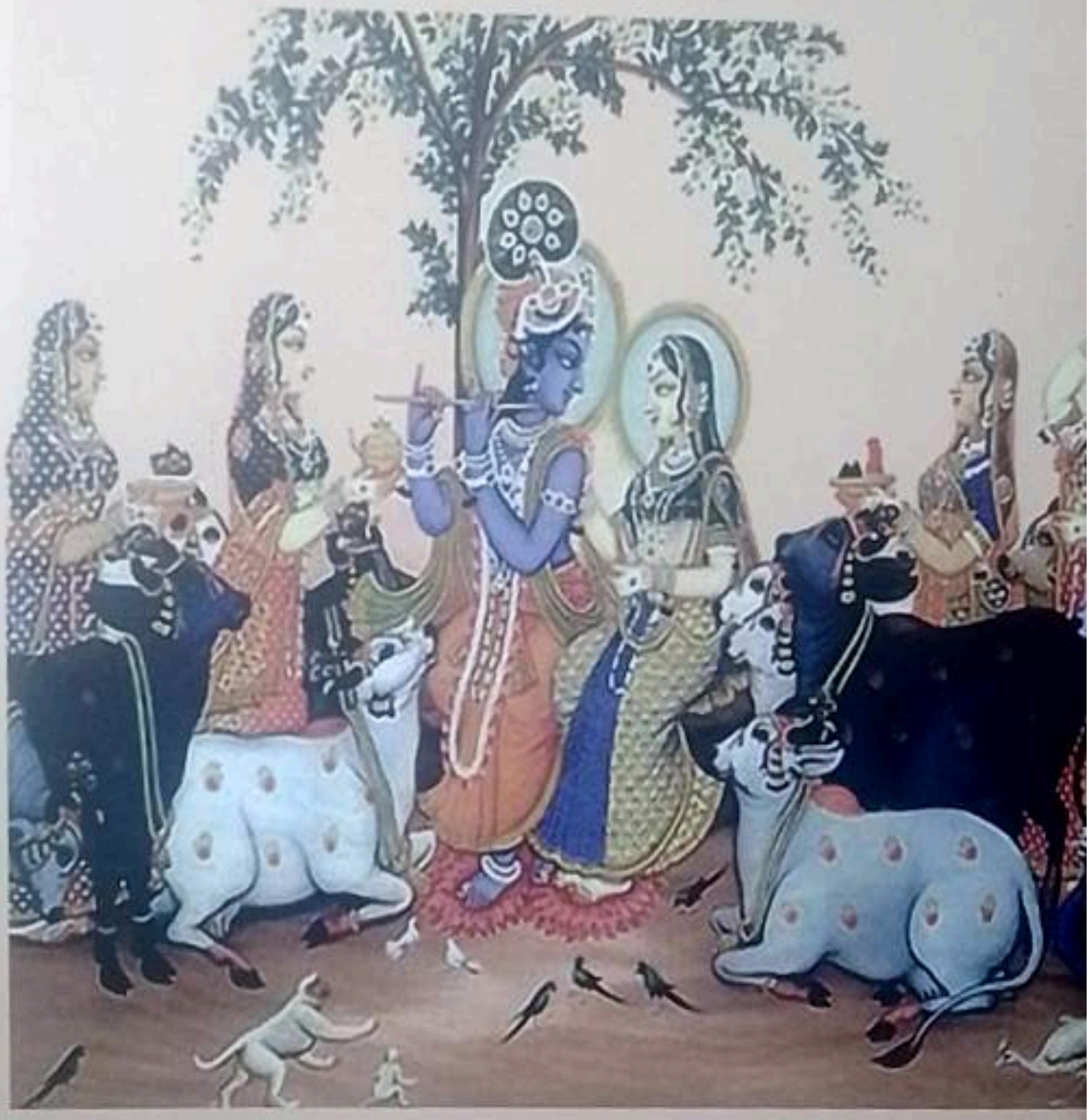

डॉ. राजरानी शर्मा

लेखक व प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को पूरे तरह अथवा आंशिक तौर पर या पुस्तक के किसी भी अंश को फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग अथवा इलेक्ट्रॉनिक अथवा अन्य किसी भी माध्यम से संग्रह व पुनः प्रयोग को किसी भी प्रणाली द्वारा इस पुस्तक का कोई भी अंश प्रेषित, प्रसृत अथवा पुनरुत्पादित न किया जाए। प्रस्तुत पुस्तक में लेखक के अपने विचार हैं, जिनसे प्रकाशक का कोई लेना-देना नहीं है।

साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग, भोपाल के सहयोग से प्रकाशित

Brajras Barsai
by Dr. Rajrani Sharma

I.S.B.N. : 978-81-8135-187-6

© डॉ. राजरानी शर्मा

मूल्य : 250.00 रुपये

प्रथम संस्करण : सन् 2022

प्रकाशक : पंकज बुक्स

109-ए, पटपड़गंज, दिल्ली-110091

दूरभाष : 8800139684, 9312869947

वितरक प्रकाशक : भावना प्रकाशन

आवरण : नीरज

शब्द संयोजक : पंकज ग्राफिक्स, दिल्ली-110092

मुद्रक : राधा ऑफसेट, दिलशाद गॉर्डन, दिल्ली।

Published by : Pankaj Books

109-A, Patparganj Village, Delhi-110091, INDIA

E-mail : bhavnaprakashan@gmail.com

अनुक्रम

1. वीणापाणि वन्दना : 19
2. वंदना : 20
3. दोहे-श्याम रस भरे : 21
4. होरी के हुरियार : 26
5. फगुनौटे दोहे : 28
6. श्रीजी...! (घनाक्षरी) : 44
7. श्री यमुना जी... : 46
8. सावन सावन मन पावन पावन सुधियाँ (दोहे) : 48
9. कुण्डलियाँ... : 51
10. श्री यमुना ब्रज की धड़कन : 53
11. ब्रजवासिन की पहचान : 55
12. महारास कौ आमंत्रण : 57
13. छन्द-छन्द महारास : 59
14. गोपालदुलारी गैया..... : 61
15. कन्हैया मिल जायगौ... : 62
16. भावार्चन.... : 63
17. श्री यमुना जी सौं पुकार..... : 65
18. हियरा हवेली.... : 67
19. भावन फाग मनाऊँ...! : 69
20. ब्रज में होरी.... : 70
21. ब्रजरस छन्द अनुराग : 71
22. पुष्टि-पद : 73

कान्ह तू माखन कौ सौ मीत : 73
प्रभु तुम कौतुक बहुत करे : 73
तुम हो है बस आस बिसास हरे : 74
कान्हा! मैं मन मोती हारूँ : 74
अरे ओ ब्रज के नेह भुलैया : 75
ठाकुर! तुम ही मीत हमारे : 75
आज तेरी सुरत सम्हारै मैया : 76
मैया मोहनी आँखिन बारी : 76
मैया लाल पै लाल लगावै : 77
तिहारी छबि पै रीझी स्याम : 77
बंसी तनिक बजाओ स्याम : 78
ठाकुर! तुम दयाल हैं दीन : 78
प्रभु तुम कैसो रूप सम्हारो : 79
जदुपति पगड़ी तनिक सम्हारो : 79
अहो तुम अतुलित छबि घनस्याम : 80
बिहारी तेरी झलकन की बलिहारी : 80
कान्ह की छबि पै बारी जाऊँ : 81
ठाकुर! टेढ़ी पगड़ी वारे : 81
23. ब्रजवाला.... : 82
24. ब्रजजनरंजन....कंसनिकंदन : 86
25. पत्रकार हमारे...चैनल वारे : 88
26. दोहे.....जो मोहे सुनाने हैं स्याम तोहे....! : 92
27. जय जय श्री द्वारिकाधीश! : 104

डॉ. राजरानी शर्मा

जन्म : 12 मई, 1955 मथुरा उ.प्र.

शिक्षा : एम.ए हिन्दी, किशोरी रमण महाविद्यालय, मथुरा पी-एचडी. आगरा विश्वविद्यालय, आगरा 1985; रामचरितमानस का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन।

अध्यापन अनुभव : 1984 से, मध्य प्रदेश शासन के उच्चशिक्षा विभाग में शासकीय सेवा, प्राध्यापक हिन्दी विभागाध्यक्ष हिन्दी। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय ग्वालियर, से शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय ग्वालियर तक 36वर्षों का स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं को पढ़ाने का अनुभव। मई 2020 में सेवानिवृत्त। शोध निदेशक के रूप में 25 शोधार्थी शोध उपाधि प्राप्त। राष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों का आयोजन एवं 87 राष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों में शोध पत्र स्वीकृत। 40 शोध पत्र प्रकाशित। विषय विशेषज्ञ के रूप में महाविद्यालयीन एवं ग्लोबल इन्साइक्लोपीडिया ऑफ रामायण की आरंभिक पत्रिका में शोध लेख प्रकाशित एवं दो सौ से अधिक व्याख्यान राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में प्रतिभागिता।

संपादन : महाविद्यालयीन पत्रिका के सतत संपादन के साथ जनसंचार माध्यम और हिन्दी, भारतीय संस्कृति और हिन्दी साहित्य, संत साहित्य और धर्म निरपेक्षता, ग्रंथों का संपादन तथा म.प्र.शासन उच्च शिक्षा विभाग के स्नातक स्तर के हिन्दी भाषा और नैतिक मूल्य की प्रथम और द्वितीय वर्ष की पाठ्य पुस्तकों का संपादन। 'शब्द रास' काव्य संग्रह प्रकाशित।

जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर में अध्यक्ष, हिन्दी अध्ययनमंडल एवं स्वशासी महाविद्यालय के हिन्दी अध्ययनमंडल में विषय विशेषज्ञ, वि.वि. अनुदान आयोग की तीन शोध परियोजनायें पूर्ण। लोक भाषा, साहित्य और हिन्दी के विविध पक्षों पर शोध कार्य।

कविता, कथा लेखन, समीक्षा का प्रकाशन, कादम्बिनी, साक्षात्कार, प्रांजल, इन्द्रप्रस्थ भारती, तुलसी मानस भारती, मधुरिमा, स्पंदन, राजभाषा भारती, शोध यात्रा, स्वदेश, जागरण, दैनिक भास्कर, उर्वशी, साहित्य परिक्रमा, हिन्दी अकादमी इलाहाबाद, सदीनामा कलकत्ता तथा शोध पत्रिकाओं में आलेख प्रकाशित।

साहित्यिक, सांस्कृतिक व सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय भागीदारी। आकाशवाणी व दूरदर्शन में साक्षात्कार वार्ताकार एवं विषय विशेषज्ञ का सतत अनुभव।

शिक्षा समिति द्वारा साहित्य भूषण सम्मान, संस्कारमंजरी द्वारा श्रेष्ठाचार्य सम्मान, रोटरी क्लब ग्वालियर एवं लायन्स क्लब द्वारा आदर्श शिक्षक सम्मान, ग्वालियर साहित्य संस्थान द्वारा प्रेमचंद सम्मान, गहोई समाज द्वारा मैथिलीशरण गुप्त सम्मान, आयुक्त उच्चशिक्षा द्वारा नवाचारों कि लिये प्रशस्ति पत्र।

पंकज बुक्स